



सत्यमेव जयते

केंद्रीय कर आयुक्त (अपील)

O/O THE COMMISSIONER (APPEALS), CENTRAL TAX,  
वस्तु एवं सेवा कर भवन,  
सप्तर्षी मंजिल, पॉलिटेक्निक के पास,  
आम्बावाडी, अहमदाबाद-380015

GST Building, 7<sup>th</sup> Floor.,  
Near Polytechnic,  
Ambavadi, Ahmedabad-  
380015



☎ : 079-26305065

टेलीफैक्स : 079 - 26305136

क फाइल संख्या : File No : V2(GTA)63/AHD-III/2017-18 / 635  
ख अपील आदेश संख्या : Order-In-Appeal No.: AHM-EXCUS-003-APP-0181-17-18  
दिनांक Date : 17.01.2018 जारी करने की तारीख Date of Issue: 29/01/18  
श्री उमाशंकर आयुक्त (अपील) द्वारा पारित

Passed by Shri Uma Shanker Commissioner (Appeals) Ahmedabad

ग अपर आयुक्त, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अहमदाबाद-III आयुक्तालय द्वारा जारी मूल आदेश :  
14/D/2009-10 दिनांक : 24.07.2009 से सृजित

Arising out of Order-in-Original: 14/D/2009-10, Date: 24.07.2009 Issued by: Assistant  
Commissioner, Central Excise, Div:Kalol, Ahmedabad-III.

ध अपीलकर्ता एवं प्रतिवादी का नाम एवं पता

Name & Address of the Appellant & Respondent

**M/s. Horizon Ploymer Engineering**

कोई व्यक्ति इस अपील आदेश से असंतोष अनुभव करता है तो वह इस आदेश के प्रति यथास्थिति नीचे  
बताए गए सक्षम अधिकारी को अपील या पुनरीक्षण आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

Any person aggrieved by this Order-In-Appeal may file an appeal or revision application, as  
the one may be against such order, to the appropriate authority in the following way :

भारत सरकार का पुनरीक्षण आवेदन :

**Revision application to Government of India :**

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1994 की धारा अंतर्गत नीचे बताए गए मामलों के बारे में  
पूवोक्त धारा को उप-धारा के प्रथम परन्तुक के अंतर्गत पुनरीक्षण आवेदन अवर सचिव, भारत सरकार,  
वित्त मंत्रालय, राजस्व विभाग, चौथी मंजिल, जीवन दीप भवन, संसद मार्ग, नई दिल्ली : 110001 को  
की जानी चाहिए।

(i) A revision application lies to the Under Secretary, to the Govt. of India, Revision  
Application Unit Ministry of Finance, Department of Revenue, 4<sup>th</sup> Floor, Jeevan Deep Building,  
Parliament Street, New Delhi - 110 001 under Section 35EE of the CEA 1944 in respect of the  
following case, governed by first proviso to sub-section (1) of Section-35 ibid :

(ii) यदि माल की हानि के मामले में जब ऐसी हानि कारखाने से किसी भण्डागार या अन्य कारखाने  
में या किसी भण्डागार से दूसरे भण्डागार में माल ले जाते हुए मार्ग में, या किसी भण्डागार या भण्डार में  
चाहे वह किसी कारखाने में या किसी भण्डागार में हो माल की प्रकिया के दौरान हुई हो।

(ii) In case of any loss of goods where the loss occur in transit from a factory to a  
warehouse or to another factory or from one warehouse to another during the course of  
processing of the goods in a warehouse or in storage whether in a factory or in a warehouse.

(ख) भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित माल पर या माल के विनिर्माण में उपयोग शुल्क  
कच्चे माल पर उत्पादन शुल्क के रिबेट के मामलों में जो भारत के बाहर किसी राष्ट्र या प्रदेश में निर्यातित  
है।

(b) In case of rebate of duty of excise on goods exported to any country or territory outside  
India of on excisable material used in the manufacture of the goods which are exported to any  
country or territory outside India.



- (ग) यदि शुल्क का भुगतान किए बिना भारत के बाहर (नेपाल या भूटान को) निर्यात किया गया माल हो।
- (c) In case of goods exported outside India export to Nepal or Bhutan, without payment of duty.

ध अंतिम उत्पादन की उत्पादन शुल्क के भुगतान के लिए जो ड्यूटी क्रेडिट मान्य की गई है और ऐसे आदेश जो इस धारा एवं नियम के मुताबिक आयुक्त, अपील के द्वारा पारित वो समय पर या बाद में वित्त अधिनियम (नं.2) 1998 धारा 109 द्वारा नियुक्त किए गए हो।

(d) Credit of any duty allowed to be utilized towards payment of excise duty on final products under the provisions of this Act or the Rules made there under and such order is passed by the Commissioner (Appeals) on or after, the date appointed under Sec.109 of the Finance (No.2) Act, 1998.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 के नियम 9 के अंतर्गत विनिर्दिष्ट प्रपत्र संख्या इए-8 में दो प्रतियों में, प्रेषित आदेश के प्रति आदेश प्रेषित दिनांक से तीन मास के भीतर मूल-आदेश एवं अपील आदेश की दो-दो प्रतियों के साथ उचित आवेदन किया जाना चाहिए। उसके साथ खाता इ. का मुख्यशीर्ष के अंतर्गत धारा 35-इ में निर्धारित फी के भुगतान के सबूत के साथ टीआर-6 चालान की प्रति भी होनी चाहिए।

The above application shall be made in duplicate in Form No. EA-8 as specified under Rule, 9 of Central Excise (Appeals) Rules, 2001 within 3 months from the date on which the order sought to be appealed against is communicated and shall be accompanied by two copies each of the OIO and Order-In-Appeal. It should also be accompanied by a copy of TR-6 Challan evidencing payment of prescribed fee as prescribed under Section 35-EE of CEA, 1944, under Major Head of Account.

(2) रिविजन आवेदन के साथ जहाँ संलग्न रकम एक लाख रुपये या उससे कम हो तो रुपये 200/- फीस भुगतान की जाए और जहाँ संलग्न रकम एक लाख से ज्यादा हो तो 1000/- की फीस भुगतान की जाए।

The revision application shall be accompanied by a fee of Rs.200/- where the amount involved is Rupees One Lac or less and Rs.1,000/- where the amount involved is more than Rupees One Lac.

सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण के प्रति अपील:-  
Appeal to Custom, Excise, & Service Tax Appellate Tribunal.

(1) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधिनियम, 1944 की धारा 35- षोबी/35-इ के अंतर्गत:-

Under Section 35B/ 35E of CEA, 1944 an appeal lies to :-

उक्तलिखित परिच्छेद 2 (1) क में बताए अनुसार के अलावा की अपील, अपीलो के मामले में सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (सिस्टेट) की पश्चिम क्षेत्रीय पीठिका, अहमदाबाद में ओ-20, न्यू मैन्टल हास्पिटल कम्पाउण्ड, मेघानी नगर, अहमदाबाद-380016.

To the west regional bench of Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (CESTAT) at O-20, New Metal Hospital Compound, Meghani Nagar, Ahmedabad : 380 016. in case of appeals other than as mentioned in para-2(i) (a) above.

(2) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क (अपील) नियमावली, 2001 की धारा 6 के अंतर्गत प्रपत्र इ.ए-3 में निर्धारित किए अनुसार अपीलीय न्यायाधिकरणों की गई अपील के विरुद्ध अपील किए गए आदेश की चार प्रतियाँ सहित जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या उससे कम है वहां रूपए 1000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 5 लाख या 50 लाख तक हो तो रूपए 5000/- फीस भेजनी होगी। जहाँ उत्पाद शुल्क की मांग, ब्याज की मांग ओर लगाया गया जुर्माना रूपए 50 लाख या उससे ज्यादा है वहां रूपए 10000/- फीस भेजनी होगी। की फीस सहायक रजिस्टार के नाम से रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में संबंध की जाये। यह ड्राफ्ट उस स्थान के किसी नामित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक की शाखा का हो

The appeal to the Appellate Tribunal shall be filed in quadruplicate in form EA-3 as prescribed under Rule 6 of Central Excise(Appeal) Rules, 2001 and shall be accompanied against (one which at least should be accompanied by a fee of Rs.1,000/-, Rs.5,000/- and Rs.10,000/- where amount of duty / penalty / demand / refund is upto 5 Lac, 5 Lac to 50 Lac and above 50 Lac respectively in the form of crossed bank draft in favour of Asstt. Registrar of a branch of any

nominate public sector bank of the place where the bench of any nominate public sector bank of the place where the bench of the Tribunal is situated

(3) यदि इस आदेश में कई मूल आदेशों का समावेश होता है तो प्रत्येक मूल आदेश के लिए फीस का भुगतान उपर्युक्त ढंग से किया जाना चाहिए इस तथ्य के होते हुए भी कि लिखा पढी कार्य से बचने के लिए यथास्थिति अपीलीय न्यायाधिकरण को एक अपील या केन्द्रीय सरकार को एक आवेदन किया जाता है।

In case of the order covers a number of order-in-Original, fee for each O.I.O. should be paid in the aforesaid manner notwithstanding the fact that the one appeal to the Appellate Tribunal or the one application to the Central Govt. As the case may be, is filled to avoid scriptoria work if excising Rs. 1 lacs fee of Rs.100/- for each.

(4) न्यायालय शुल्क अधिनियम 1970 यथा संशोधित की अनुसूची-1 के अंतर्गत निर्धारित किए अनुसार उक्त आवेदन या मूल आदेश यथास्थिति निर्णयन प्राधिकारी के आदेश में से प्रत्येक की एक प्रति पर रु.6.50 पैसे का न्यायालय शुल्क टिकट लगा होना चाहिए।

One copy of application or O.I.O. as the case may be, and the order of the adjournment authority shall bear a court fee stamp of Rs.6.50 paise as prescribed under scheduled-I item of the court fee Act, 1975 as amended.

(5) इन ओर संबंधित मामलों को नियंत्रण करने वाले नियमों की ओर भी ध्यान आकर्षित किया जाता है जो सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय न्यायाधिकरण (कार्याविधि) नियम, 1982 में निहित है।

Attention is invited to the rules covering these and other related matter contended in the Customs, Excise & Service Tax Appellate Tribunal (Procedure) Rules, 1982.

(6) सीमा शुल्क, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर अपीलीय प्राधिकरण (सीस्टेट) के प्रति अपीलों के मामलों में केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1984 की धारा 39फ के अंतर्गत वित्तीय(संख्या-2) अधिनियम 2014(2014 की संख्या 24) दिनांक: 06.08.2014 जो की वित्तीय अधिनियम, 1994 की धारा 23 के अंतर्गत सेवाकर को भी लागू की गई है, द्वारा निश्चित की गई पूर्व-राशि जमा करना अनिवार्य है, बशर्ते कि इस धारा के अंतर्गत जमा की जाने वाली अपेक्षित देय राशि दस करोड़ रूपए से अधिक न हो

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवाकर के अंतर्गत "माँग किए गए शुल्क" में निम्न शामिल है

- (i) धारा 11 डी के अंतर्गत निर्धारित रकम
- (ii) सेनवैट जमा की ली गई गलत राशि
- (iii) सेनवैट जमा नियमावली के नियम 6 के अंतर्गत देय रकम

→ आगे बशर्ते यह कि इस धारा के प्रावधान वित्तीय (सं. 2) अधिनियम, 2014 के आरम्भ से पूर्व किसी अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष विचाराधीन स्थगन अर्जी एवं अपील को लागू नहीं होंगे।

For an appeal to be filed before the CESTAT, it is mandatory to pre-deposit an amount specified under the Finance (No. 2) Act, 2014 (No. 25 of 2014) dated 06.08.2014, under section 35F of the Central Excise Act, 1944 which is also made applicable to Service Tax under section 83 of the Finance Act, 1994 provided the amount of pre-deposit payable would be subject to ceiling of Rs. Ten Crores,

Under Central Excise and Service Tax, "Duty demanded" shall include:

- (i) amount determined under Section 11 D;
- (ii) amount of erroneous Cenvat Credit taken;
- (iii) amount payable under Rule 6 of the Cenvat Credit Rules.

→ Provided further that the provisions of this Section shall not apply to the stay application and appeals pending before any appellate authority prior to the commencement of the Finance (No.2) Act, 2014.

(6)(i) इस आदेश के प्रति अपील प्राधिकरण के समक्ष जहाँ शुल्क अथवा शुल्क या दण्ड विवादित हो तो माँग किए गए शुल्क के 10% भुगतान पर और जहाँ केवल दण्ड विवादित हो तब दण्ड के 10% भुगतान पर की जा सकती है।

(6)(i) In view of above, an appeal against this order shall lie before the Tribunal on payment of 10% of the duty demanded where duty or duty and penalty are in dispute, or penalty, where penalty alone is in dispute."

**ORDER IN APPEAL**

M/s. Horizon Polymer Engineering Pvt. Ltd., C-1/B-1605 to 1618, GIDC Estate, Chhatral, Dist.- Gandhinagar (*hereinafter referred to as the 'appellant'*) has filed the present appeal against the Order-in-Original No. 14/D/2009-10 dated 24.07.2009 (*hereinafter referred to as 'impugned order'*) passed by the Assistant Commissioner, Kalol Division, Ahmedabad-III Commissionerate (*hereinafter referred to as 'adjudicating authority'*);

**2.** Briefly the facts are that during the course of internal audit it was found that:

(a) the appellant had taken 100% of the CENVAT credit on the duty paid on the capital goods in a financial year and thus contravened the provisions of Rule 4(2)(a) & (b) of the CENVAT Credit Rules, 2004. However, on being pointed out by the audit, they have reversed the excess credit taken but not paid interest and penalty on it.

(b) they have utilized the service tax credit for payment of duty on GTA service as a recipient and thus contravened the provision of Rule 3(4) of the CENVAT Credit Rules, 2004. On being pointed out by the audit they have paid the duty in cash but not paid interest and penalty on it.

**2.1** Subsequently a show cause notice dated 12.06.2008 was issued demanding interest on the excess credit taken and on the duty paid from the Service tax credit account for GTA service under Rule 14 of the CENVAT credit Rules, 2004 and further proposing penalty under Rule 15 of the CENVAT credit Rules, 2004. This show cause notice was adjudicated vide above said impugned order wherein the adjudicating authority, upheld the demand of interest and further imposed penalties on the appellant under Sections 11AC(c) of the Central Excise Act, 1994 and 78 of the Finance Act, 1994 read with Rules 15(2) and 15(4) of the CENVAT Credit Rules, 2004.

**3.** Being aggrieved, the appellant has filed the present appeal on the grounds that; that they have reversed the excess credit taken on capital goods immediately after being pointed out by the audit and did not utilize the excess credit taken on capital goods; that they have paid the duty due on GTA services in cash immediately after being pointed out by the audit and thus there is no revenue loss to the government and hence no interest is to be paid. Further they stated that they have not suppressed anything from the department and there was no malafide intention on the part of the appellant. They further requested that the penalties under Sections 11AC of the Central Excise Act, 1994 and 78 of the Finance Act, 1994 may be waived off.

4. A personal hearing in the matter was held on 11.01.2018 and Shri Dhimant Sheth and Shri Kejur Seth, both advocates, appeared on behalf of the appellant and reiterated the grounds of appeal.

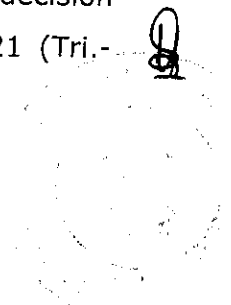
5. I have carefully gone through the facts of the case on records and grounds of appeal. To begin with, I find that in the instant case, there are two issues involved. First one is regarding 100% credit taken of the duty paid on the capital goods in a financial year instead of 50% ( as admissible under Rule 4(2) (a) of the Cenvat Credit Rules) and other is of payment of service tax on GTA services (as a recipient) by utilizing from the CENVAT credit of service tax. However as per proviso to Rule 6 (2) of the Service Tax Rules, 1994, the assessee shall pay the service tax either in cash or by cheque as per proviso to Rule 6(2)(A) *ibid*.

5.1 I find that in the first issue, the appellant had reversed the excess credit of Rs. 32,308/- immediately after being pointed out by the audit before the issuance of show cause notice and they have not utilized the excess credit taken on capital goods for discharging duty liability and thus charging interest on the excess credit taken, which was lying unutilized and further imposing penalty under section 11 AC (c) is not justified. My view is also supported by a decision given in case of *M/s. Gupta Steel [2008 (12) S.T.R. 101 (Guj.)]*.

***M/s. Gupta Steel [2008 (12) S.T.R. 101 (Guj.)]***

*Cenvat - Reversal of credit - Interest not to be levied on amount of credit directed to be reversed when such credit not availed by assessee but lying unutilised - No substantial question of law arises for consideration of High Court, there being no infirmity in order of Tribunal - Section 11AB of Central Excise Act, 1994. [para 4].*

5.2 In the second issue, I find that the appellant discharged the duty liability on GTA services (being a recipient) by debiting from service tax credit instead of paying either in cash or by cheque. However, the appellant paid the duty liability of Rs. 24,864/- in cash immediately after being pointed out by the audit and no financial benefit was derived by the appellant since they had initially paid the service tax through service tax credit and subsequently in cash. The appellant had paid the duty before the issuance of SCN and there is no loss to the Government. In view of the above discussion, I find that no interest or penalty shall be paid by the appellant. My view is also supported by a decision given in case of *M/s. H.B. Engineering Pvt. Ltd [2009 (15) S.T.R. 721 (Tri.-Ahmd.)]*.

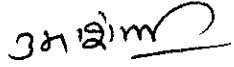


**M/s. H.B. Engineering Pvt. Ltd [2009 (15) S.T.R. 721 (Tri.- Ahmd.)].**

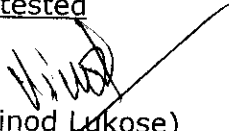
*Cenvat credit of service tax - Input service-Cenvat credit utilized initially for payment of service tax on Goods Transport Agency service - Appellant not a GTA service provider - Impugned order holding payment from Cenvat credit also accepted as normal mode of payment- service tax paid in cash once omission pointed out - Impugned order sustainable - Rules 3 and 14 of Cenvat Credit Rules, 2004.[paras 1,3]*

6. In view of the above discussion and following the decisions of Hon'ble High Court of <sup>Gujarat</sup> ~~Gujrat~~ in case of Commissioner of Central Excise v M/s. Gupta Steel [2008(12) S.T.R. 101 (Guj.)] and of Tribunal- Ahmedabad in case of Commissioner of Central Excise v M/s. H.B. Engineering Pvt. Ltd. [2009 (15) S.T.R.721(Tri.-Ahmd.)] supra, the appeal filed by the appellant is allowed.

7. अपीलकर्ता द्वारा दर्ज की गई अपील का निपटारा उपरोक्त तरीके से किया जाता है।  
7. The appeal filed by the appellant stand disposed off in above terms.

  
(उमा शंकर)  
आयुक्त (अपील्स)

Attested

  
(Vinod Lukose)  
Superintendent (Appeals)  
Central Tax, Ahmedabad

To,

M/s. Horizon Polymer Engineering Pvt. Ltd.,  
C-1/B-1605 to 1618, GIDC Estate,  
Chhatral, Dist.- Gandhinagar

**Copy to:**

- 1) The Chief Commissioner, Central Tax, Ahmedabad.
- 2) The Commissioner, Central Tax, Gandhinagar.
- 3) The Dy./Asstt. Commissioner, Central Tax, Kalol Division, Gandhinagar.
- ✓ 4) The Asstt. Commissioner (System), Central Tax Hqrs., Ahmedabad.
- 5) Guard File.
- 6) P. A. File.

